

- GLANDULAR : expr. by comp. or by gen.
- GLARE (subs.) : perh. तेजस्, *I cannot bear the g.* : आतपतेजः सोढुं न शक्नोमि : v. Also brightness.
- GLARE (v.) : I. Lit. : (1) संदीप्यते (दीप्, c. 4.) ; (2) विद्योतते (द्युत्, c. 1.) ; (3) रोचते (रच्, c. 1.).
- II. Fig. : expr. by adj., *where the eye g.s on* : यत्र संदीप्तचक्षुः पतति.
- GLARING : I. Lit. : (1) संदीप्तः (सा, स'), प्र- ; (2) द्योतनः (नी, नं), वि- ; (3) रोचिष्णु (mf.). II. Very clear : q.v. : सुस्पष्टः (ष्टा, ष्टं).
- GLARINGLY : (1) सुस्पष्टम् ; (2) परिस्फुटम् : v. Clearly.
- GLASS (subs.) : I. The material : (1) काचः ; (2) स्फटिकः (=crystal). II. A mirror : q.v. : दर्पणः. III. A g. instrument : perh. काचयन्त्रम् : v. Telescope, microscope, etc. IV. A drinking g. : चषक (mn.) (=cup) ; *wine-g.* : *काच-निर्मितं मद्यपानपात्रम्. V. Glassware : *काचपात्राणि (n. pl.).
- GLASS (adj.) : (1) by comp. ; *g.-bottle* : काचकूपी ; (2) स्फटिकः (की, कं) (=crystal ?), *g.-door* : स्फटिकं द्वारम्, Mah. ii. 47. 11.
- GLASS (v.) : I. To see : q.v. : निरीक्षते (ईच्, c. 1.). II. To reflect : q.v.
- GLASS-BLOWER : *काचन्धमः ; काचधमकः
- GLASS-CUTTING : *काचपरिष्कारः ; काचतक्षणम्.
- GLASSFUL (subs.) : expr. by glass, *two g. s.* : द्वे चषके.
- GLASS-WORK : I. The work : काचकर्मन् (n.) (?). II. The place : *काचागारम्.
- GLASSY : I. Lit. : v. Glass (adj.). II. Resembling g. : स्फटिकः (को, कं).
- GLAZE (v.) : I. Lit. : *काचयति (nomi.). II. To render smooth : श्लक्ष्णीकरोति. III. To furnish with glass : expr. by circumlo.
- GLAZIER : *काचकारः (=glass-maker) : काच-संघातृ (m.).
- GLEAM (v.) : (1) स्फुरति, वि-, परि-, (स्फुर, c. 6.) ; (2) लसति, उत्-, वि-, (लस्, c. 1.) ; (3) दीप्यते (दीप्, c. 4.) : v. To shine.
- GLEAM (subs.) : I. Lit. : स्फुरितम्, स्फुरणम्. II. Brightness, splendour : q.v. : प्रभा. III. Fig., of hope, joy, etc. : not expr., *there is no g. of hope* : आशालेशोऽपि नास्ति.
- GLEAMING (adj.) : (1) स्फुरत् (f. न्ती), वि-, प्र-, परि-, *g. rays* : स्फुरन्मरीचि-, Ku. ; (2) लसत् (f. न्ती), उत्-, वि-, *g. lightning* : लसत्तडित्, Ki. xvi. 37.
- GLEAN (v.) : (1) संकलयति (कल्, c. 10.) ; (2) सं-गृह्णाति (ग्रह्, c. 9.).
- GLEANER : (1) संकलयितृ (f. त्री) ; (2) संग्रहीतृ (f. त्री).
- GLEANNING : I. Lit. : उच्चः (rare), M. iv. 5. II. In gen. : (1) संकलनम् ; (2) संग्रहः.
- GLEBE : मृत्तिका : v. Ground, soil.
- GLEBY : (1) लोहमयः (यी, यं) and sim. comp.s.
- GLEDE : चिह्नः v. Kite.
- GLEE : हर्षः : v. Joy.
- GLEEFUL : प्रहृष्टः (ष्टा, ष्टं) : v. Joyful.
- GLEN : उपत्यका : v. Valley.
- GLIB : I. Slippery : पिच्छिलः (ला, लं). II. Voluble : चपलः (ला, लं).
- GLIBLY : द्रुतम् or क्षिप्रम् (=quickly).
- GLIBNESS : I. Slipperiness : पिच्छिलता. II. Volubility : चपलता.
- GLIDE : I. Of time : याति (या, c. 2.) : v. To go. II. Of rivers : स्रवति (स्रु, c. 1.) : v. To flow. III. To move on : प्रचलति (चल्, c. 1.).
- GLIDE, GLIDING (subs.) : (1) गतिः (=motion) ; (2) प्रसरणम् (as of serpent) ; (3) स्रुतिः (=flow).
- GLIMMER (v.) : मन्दं मन्दं ज्वलति (ज्वल्, c. 1.).
- GLIMMER (subs.) : (1) मन्दतेजस् (n.) ; (2) मन्द-प्रभा ; (3) better by verb.
- GLIMMERING (adj.) : मन्दं मन्दं ज्वलत् (f. न्ती) ; मन्दप्रभा : (भा, भं) (with faint light), B.
- GLIMPSE : (1) क्षणदृष्टिः (?) ; (2) मुहूर्तदर्शनम्.
- GLISTEN, GLISTER : द्योतते (द्युत्, c. 1.) : v. To gleam, shine. *G. ing* : v. Bright, brilliant.
- GLITTER (v.) : (1) द्योतते, वि-, (द्युत्, c. 1.) ; (2) राजते, वि-, (राज्, c. 1.) ; (3) भासते, उत्-, (मास्, c. 1.) ; (4) भाति, वि- (भा, c. 2.). Ph. : "*all that g. s is not gold*" : शैले शैले न माणिक्यम् (?). J.
- GLITTER (subs.) : (1) औज्ज्वल्यम्, Ma ; (2) द्युतिः ; (3) प्रभा ; (4) तेजस् (n.).
- GLITTERING : ज्वलत् (न्ती), प्र-, *g. energy* : ज्वलत्प्रतापः, N. : v. Bright, brilliant.
- GLOAT (v.) : तृप्यति, सं-, परि-, (तृप्, c. 4.) (=to be satiate).